JAMIA MILLIA ISLAMIA

November 16, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

हिंदी विभाग,जामिया मिल्लिया इस्लामिया और हिंदी अकादमी,दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में हिंदी साहित्य सृजन में स्त्रियों की भूमिका विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है. जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एफ.टी.के.-सी.आई.टी. सभागार में संपन्न उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मानविकी एवं भाषा संकाय के डीन प्रो.असदुद्दीन ने की. हिन्दी अकादमी दिल्ली की उपाध्यक्ष सुश्री मैत्रेयी पुष्पा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं.

प्रो. असदुद्दीन ने अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए कहा कि स्त्री विमर्श के दायरे को हिन्दी साहित्य से बढ़ाकर अन्य भाषाओं तथा अनुशासनों तक विस्तार देने की आवश्यकता है क्योंकि सही तस्वीर समग्रता में ही स्पष्ट होती है. वस्तुतः किसी भी विमर्श में संतुलन होना बहुत ज़रूरी है .

बीज वक्तव्य देते हुए हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रो. हेमलता महिश्वर ने कहा कि भारत में स्त्री विमर्श वह नहीं है जो पाश्चात्य साहित्य में है. बंगाल में आरम्भ हुए नवजागरण में भी स्त्री विमर्श के सूत्र नहीं मिलते. यह विमर्श नितांत अलग है. हमारा स्त्री विमर्श थेरी गाथाओं से आरम्भ होते हुए वर्त्तमान तक पहुंचता है. उनहोंने स्त्री विमर्श की दृष्टि से हिन्दी साहित्य के पुनर्पाठ की आवश्यकता पर भी बल दिया .

मैत्रेयी पुष्पा ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्त्री मूलतः सर्जक है, वह कब तक परदे में रहेगी. उसे बाहर आना ही था और वह बाहर आ गई. उन्होंने कहा कि स्त्री की

सृजनात्मकता लोकगीतों से मुखर होती है. उसे समझे बिना स्त्री विमर्श को समझना मुश्किल है.

प्रो. सविता सिंह ने स्त्री विमर्श की सैद्धांतिकी पर विचार करते हुए स्पष्ट रूप से माना कि आधुनिक विमर्श पाश्चात्य से ही आया है और उसे समझे बिना भारतीय स्त्री विमर्श को समझना संभव नहीं है. नूर ज़हीर ने अमृतलाल नागर के सन्दर्भ में बात करते हुए उनके स्त्री पात्रों का विश्लेषण किया.

हिन्दी अकादमी के सचिव डॉ.जीतराम भट्ट ने अपने स्वागत भाषण तथा प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि स्त्री के स्वर को उसका वाजिब स्थान नहीं मिला. वर्त्तमान में स्त्री लेखन के प्रति एक संवेदना विकसित हो रही है. यह संगोष्ठी उसी क्रम की एक कड़ी है.

धन्यवाद ज्ञापन प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा ने किया तथा संचालन डॉ. अजय नावरिया ने किया . कार्यक्रम में प्रो. सबीहा ज़ैदी, प्रो. अयूब नदवी, प्रो. दुर्गा प्रसाद गुप्त, डॉ. चंद्रदेव यादव, डॉ. कृष्ण कुमार कौशिक, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. इंदु वीरेन्द्रा, डॉ. नीराजकुमार, डॉ.कहकशां ए. साद, डॉ. विवेक दुबे, डॉ. रहमान मुसव्विर, डॉ. मुकेश मिरोठा, डॉ. आसिफ उमर तथा भारी संख्या में शोधार्थी तथा विद्यार्थी उपस्थित थे.

Office of the Media Coordinator
Jamia Millia Islamia

हिन्दी अकादमी, दिल्ली
(कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग, दिल्ली सरकार)
और
हिन्दी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया
के संयुक्त तत्त्वावधान में
हिन्दी साहित्य सृजन में स्त्रियों की भूमिका
विषय पर केन्द्रित दो दिवसीय
राष्ट्रीय संगोष्ठी
16-17 नवम्बर, 2016
प्रो.सविता सिंह
डॉ.जीतराम भट्ट
प्रो.एम.असदुद्दीन
श्रीमती मैत्रेयी पुष्पा
प्रो.हेमलता महिश्वर
नूर जहीर
डॉ.अजय नावरिया